

संस्कृत साहित्य में स्त्रियों के योगदान को तीन वाक्यों में लिखें।

✓ (5) - (घ)

[BSEB 2015A, 2016C]

संस्कृत साहित्य में प्राचीनकाल से ही स्त्रियों का योगदान रहा है। अपने योगदान के लिए दार्शनिक सिद्धांतों की प्रतिपादिका, याज्ञवल्क्य की पत्नी मैत्रेयी शास्त्रार्थ में पारंगत गार्गी, कवयित्री विजयांका एवं देवकुमारिका आदि सुप्रसिद्ध थी। आधुनिक युग में पुष्पादीक्षित, वनमाला भवालकर, मिथिलेश कुमारी मिश्र आदि कवयित्रियाँ संस्कृत साहित्य में रचना कर रही हैं।

विजयांका राजा में संस्कृत भाषा की स्थिति क्या थी?

94. विश्वशांति के लिए हमें क्या करना चाहिए ?

[BSEB 2015A]

उत्तर—विश्वशांति के लिए हमें कथनी और करणी में समानता दिखाना होगा।  
⑤ उपदेशों के अनुसार आचरण करना होगा। हमलोग जानते हैं कि व्यवहार के बिना ज्ञान भार स्वरूप है। वैर से कभी भी वैर शांत नहीं हो सकता। हमें निर्वैर, दया, परोपकार, सहिष्णुता और मित्रता का भाव दूसरों के प्रति रखना होगा। तभी विश्व में शांति का वातावरण स्थापित होगा।  
⑤

95. “वसधैव कटम्बकम्” की भावना क्या है?

स्वपुंस - ७

2.) (iv)  $\rightarrow$  Page-no  $\rightarrow \frac{15}{5}$

3.) (ग)  $\rightarrow$  गणतंत्र दिवस - Page-no  $\rightarrow \frac{25}{58}$

5.) (ख)  $\rightarrow \frac{28}{4}$

(घ)  $\rightarrow \frac{31}{6}$

(ङ)  $\rightarrow \frac{34}{6}$

(च)  $\rightarrow \frac{32}{4}$

(ट)  $\rightarrow \frac{33}{2}$

(ठ)  $\rightarrow \frac{34}{1}$

(ड)